विडंबना | 6 पंप गायब, 15 वार्डों की प्यास सिर्फ 8 पंपों के भरोसे, जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठे सवाल

करोड़ों का पंप हाउस, फिर भी बूंद-बूंद पानी को तरसे लोग

डिंडौरी, नवभारत 11 जुलाई। नगर परिषद डिंडौरी में करोड़ों रुपये खर्च कर बनाए गए पंप हाउस की हकीकत अब शहरवासियों के सामने खुलकर आने लगी है।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की लापरवाही तथा बदइंतजामी का खामियाजा नगर के 15 वार्डों के हजारों नागरिकों को बार-बार भुगतना पड़ रहा है। कभी दो दिन तो कभी तीन दिन तक जलापूर्ति ठप रहने से लोग पेयजल के लिए परेशान हैं, जबकि जिम्मेदार आश्वासनों से आगे बढ़ते नजर नहीं आते।

तकनीकी खराबी से पूरी व्यवस्था चरमरा जाती है

जानकारी के अनुसार, जलापूर्ति व्यवस्था का सबसे कमजोर पक्ष पंप हाउस में आवश्यक संसाधनों का अभाव है। मोटर पंप, सबमर्सिबल पंप और अन्य विद्युत उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने से बिजली की आंख-मिचौली, लो-वोल्टेज और तकनीकी खराबी के दौरान पूरी व्यवस्था चरमरा जाती है। परिणामस्वरूप किसी एक पंप में खराबी आने पर पूरे वार्ड की जलापूर्ति प्रभावित हो जाती है।

कोई भी अतिरिक्त पंप उपलब्ध नहीं

पंप हाउस से मिली जानकारी के मुताबिक नगर के 15 वार्डों में नियमित जलापूर्ति के लिए प्रतिदिन पांच पंप संचालित किए जाते हैं। किसी पंप में खराबी आने पर शेष तीन पंपों का उपयोग किया जाता था, लेकिन वर्तमान में स्थिति यह है कि कोई भी अतिरिक्त पंप उपलब्ध नहीं बचा है। ऐसे में यदि किसी पंप में तकनीकी खराबी आ जाए तो संबंधित वार्डों की जलापूर्ति तत्काल बहाल करना लगभग असंभव हो जाता है।

14 में से 6 पंप कहां गए? बड़ा सवाल

सबसे गंभीर सवाल यह है कि नगर परिषद के पास जलापूर्ति व्यवस्था के लिए कुल 14 पंप होने चाहिए, लेकिन सूत्रों का दावा है कि इनमें से 6 पंप पिछले तीन-चार वर्षों से गायब हैं। आखिर ये पंप कहां गए, किसकी जिम्मेदारी थी और उनकी जवाबदेही कौन तय करेगा? इसका जवाब न तो जनप्रतिनिधियों के पास है और न ही अधिकारी खुलकर कुछ बोलने को तैयार हैं। इस पूरे मामले ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्या जवाबदेही तय होगी?

करोड़ों की लागत से बने पंप हाउस के बावजूद यदि शहर की जनता को नियमित पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, अतिरिक्त पंप तक उपलब्ध नहीं हैं और छह पंपों का कोई हिसाब नहीं है, तो यह केवल तकनीकी समस्या नहीं बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर मामला है। अब शहरवासियों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि नगर परिषद इस पूरे मामले में जवाबदेही तय करती है या फिर हर बार की तरह जल संकट का ठीकरा तकनीकी खराबी पर फोड़ दिया जाएगा।

सहकारी समिति कर्मचारी से चाकू की नोक पर लूट

नैनपुर। चिरईडोंगरी-घटेरी घाट मार्ग पर लगातार सामने आई लूट की दो घटनाओं से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पहली घटना में सहकारी समिति के एक कर्मचारी से चाकू की नोक पर लगभग डेढ़ लाख रुपए लूटे जाने की शिकायत बम्हनी बंजर थाना में दर्ज कराई गई है। वहीं दूसरी घटना में एक व्यक्ति को कथित रूप से बेहोश कर उससे बड़ी राशि लूटे जाने की जानकारी सामने आई है।

जानकारी अनुसार सहकारी समिति कर्मचारी प्रदीप झरिया 6 जुलाई की शाम निजी कार्य से बम्हनी स्थित बैंक से अपने पिता के खाते की राशि निकालने के बाद चिरईडोंगरी पहुंचे थे। यहां समिति का कार्य पूरा करने के बाद रात करीब 8.30 बजे अपने गांव पाला सुंदर के लिए निकले। बताया गया कि पेट्रोल पंप के आगे एक व्यक्ति ने उनसे लिफ्ट मांगी और बाइक पर बैठ गया। आरोप है कि घटेरी घाट पहुंचने पर उसने चाकू दिखाकर प्रदीप झरिया से करीब डेढ़ लाख रुपये लूट लिए और मौके से फरार हो गया। पीड़ित ने घटना की रिपोर्ट बम्हनी बंजर थाना में दर्ज कराई है। अब तक पुलिस को मामले में कोई सफलता नहीं मिली थी इसी मार्ग पर एक अन्य घटना भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि 4 जुलाई की रात बोरी घटेरी ग्राम पंचायत निवासी राम यादव व्यक्ति बम्हनी सहकारी बैंक से फसल की राशि निकालकर लौट रहा था।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया के महत्व की दी गई जानकारी

एकीकृत विद्यालय में बाल कैबिनेट का गठन

करंजिया, नवभारत 11 जुलाई। मध्यप्रदेश सरकार के निर्देशानुसार शालेय कार्य में छात्रों की सहभागिता बढ़ाने एवं उनमें जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विकास खंड करंजिया के अंतर्गत आने वाले एकीकृत माध्यमिक विद्यालय जोगीग्वारा में बाल कैबिनेट का गठन किया गया।

विद्यालय के प्रधान पाठक रामकुमार गर्ग एवं समस्त स्टाफ की उपस्थिति में सभी छात्रों की सर्वसम्मति से बाल कैबिनेट का गठन किया गया। इस अवसर पर छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया, अनुशासन एवं सामूहिक कार्य के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

ईशान सिंह को प्रधानमंत्री चुना गया-बाल कैबिनेट में सर्वसम्मति से ईशान सिंह पेन्द्रो को प्रधानमंत्री चुना गया। गठित बाल कैबिनेट में प्रधानमंत्री ईशान सिंह पेन्द्रो, उप प्रधानमंत्री केशमा बंजारा, शिक्षा मंत्री दिवाकर सोनवानी, उप शिक्षा मंत्री इक्कू मरावी, स्वास्थ्य मंत्री शीतल मरावी, उप स्वास्थ्य मंत्री हेराज बंजारा, जल संसाधन एवं स्वच्छता मंत्री मनीषा यादव, उप जल संसाधन एवं स्वच्छता मंत्री नवीन मरावी, खेल एवं सांस्कृतिक मंत्री हेमवंत सोनवानी, उप खेल एवं सांस्कृतिक मंत्री लक्ष्मी पेन्द्रो, पर्यावरण मंत्री दिलराज मरावी, उप पर्यावरण मंत्री मनीषा मरावी बने।

स्वास्थ्य सुविधा की सामने आयी शर्मनाक तस्वीर

प्रसूता को प्रसव कराने कांधे पर लादकर ले जाते दिखे परिजन और ग्रामीण

नवभारत उमरिया 11 जुलाई। जिले से स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल खोलती एक शर्मनाक तस्वीर सामने आई हैं, जहां एक प्रसूता को प्रसव पीड़ा उपरांत कांधे पर लादकर परिजन और ग्रामीण अस्पताल ले जा रहे हैं।

मामला ग्राम पंचायत देवरा का हैं, जहां सड़क में कीचड़ होने के कारण कोई भी वाहन गांव नहीं पंहुच पा रहा हैं और इसी वजह से प्रसव पीड़ित महिला के परिजनों ने जब 108 एम्बुलेंस को कॉल किया तो एम्बुलेंस चालक ने गांव के भीतर एम्बुलेंस लाने से मना कर दिया, जिसके बाद परिजन प्रसव पीड़िता को कांधे पर लादकर नेशनल हाईवे तक पंहुचे, जिसके बाद एम्बुलेंस उसे अस्पताल लेकर पंहुची, जहां प्रसूता ने सुरक्षित बच्चे को जन्म दिया।

गांव में वर्षों से नहीं है सड़क

बता दें ग्राम देवरा उमरिया जिले की सीमा पर स्थित बैगा बाहुल्य गांव हैं और इसे सेना के शहीद स्वागत भूप सिंह के नाम से भी जाना जाता हैं। इस गांव में वर्षों से सड़क नहीं होने के कारण ग्रामीण लगातार परेशान रहते हैं। बैगा बाहुल्य गांव में प्रधान मंत्री जनमन योजना योजना से करोंड़ो रूपये की लागत से सड़क निर्माण स्वीकृत किया गया, लेकिन ठेकेदार की लापरवाही के कारण ग्रामीणों को मशक्कत का सामना करना पड़ता है।

एक नजर में

कार सहित 11 पेटी अंग्रेजी शराब के साथ 3 गिरफ्तार

नैनपुर। पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा एवं एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के मार्गदर्शन में नैनपुर पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक सफलता हासिल की है। थाना नैनपुर में पंजीबद्ध आबकारी एक्ट के प्रकरण की विवेचना के दौरान पुलिस ने दबिश देकर तीन आरोपियों को धरदबोचा। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध शराब और नगदी बरामद की है। जब्त की गई सामग्री में 11 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब, 30 हजार रूपए नगद राशि और तस्करी में प्रयुक्त एक सफेद रंग की एक्सयूवी कार जब्त की गई है।

मंडला पुलिस ने लौटाए 200 से अधिक गुम मोबाइल

मंडला। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार जिले में संचालित 15 दिवसीय सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान का समापन आर.डी. कॉलेज सभागार में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम मुख्य अतिथि तथा कलेक्टर राहुल नामदेव धोते, पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा व एएसपी शिव कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मानसूनी गश्त में मिला वन्यजीव कंकाल

बाघ का होने की आशंका, जांच के बाद होगा खुलासा

चिल्हारी नवभारत 11 जुलाई। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मानसूनी गश्त के दौरान मांसाहारी वन्यजीव का कंकाल मिला, जिसे प्रारंभिक जांच में बाघ का माना जा रहा है। एनटीसीए प्रोटोकॉल के तहत जांच, नमूना संग्रह और दस्तावेजीकरण के बाद कंकाल का अंतिम संस्कार किया गया। अब वैज्ञानिक रिपोर्ट से ही प्रजाति और लिंग की अंतिम पुष्टि होगी।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मानसून के दौरान चल रही विशेष गश्त के बीच वन विभाग को एक ऐसी सूचना मिली जिसने पूरे अमले को सतर्क कर दिया। ताला परिक्षेत्र के मझखेता बीट के घने और दुर्गम जंगल में गश्त कर रही टीम को एक मांसाहारी वन्यप्राणी का कंकाल मिला। प्रारंभिक जांच में वन्यजीव विशेषज्ञों ने इसे बाघ का कंकाल होने की आशंका जताई, जिसके बाद पूरे मामले में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्रवाई शुरू की गई।

घटनास्थल की बारीकी से जांच की गई-बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 9 जुलाई को मानसूनी गश्त के दौरान यह कंकाल मिला। सूचना मिलते ही क्षेत्र संचालक, उप संचालक, वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। घटनास्थल की बारीकी से जांच की गई। किसी भी तरह के भौतिक साक्ष्य छूट न जाएं, इसके लिए डॉग स्क्वाड की मदद से आसपास का क्षेत्र खंगाला गया। वहीं मेटल डिटेक्टर से भी जांच कर संभावित साक्ष्यों की तलाश की गई।

सामुदायिक भवन की छत ढही, एक श्रमिक घायल

कलेक्टर की सख्त कार्रवाई, चार जिम्मेदारों को थमाया कारण बताओ नोटिस

डिंडौरी, नवभारत 11 जुलाई। जनपद पंचायत डिंडौरी की ग्राम पंचायत चटुवा में निर्माणाधीन सामुदायिक भवन की छत ढलाई के दौरान हुए हादसे ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने तत्काल सख्त रुख अपनाते हुए चार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मामले में कलेक्टर द्वारा नोटिस सहायक यंत्री (आरईएस) बीर सिंह तिलगाम, उपयंत्री (संविदा) फिरोज खान, ग्राम रोजगार सहायक अशोक चंदेल तथा ग्राम पंचायत चटुवा के सरपंच रामनरेश धुरैया को जारी किया गया है।

छत ढलाई के दौरान हुआ था हादसा

जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत ग्राम पंचायत चटुवा में नवीन सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। 9 जुलाई को छत की ढलाई के दौरान अचानक छत का एक हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा। हादसे में वहां कार्य कर रहा एक श्रमिक मलबे में दब गया। मौके पर मौजूद अन्य श्रमिकों ने तत्काल राहत कार्य करते हुए घायल को सुरक्षित बाहर निकाला और जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

कर्तव्य के प्रति घोर उदासीनता

प्रथम दृष्टया यह कर्तव्य के प्रति घोर उदासीनता और गंभीर लापरवाही का मामला माना गया है, जिससे न केवल शासन को आर्थिक नुकसान की आशंका उत्पन्न हुई, बल्कि श्रमिकों का जीवन भी खतरे में पड़ गया। इस घटना के बाद जिले में निर्माणाधीन शासकीय भवनों की गुणवत्ता और तकनीकी निगरानी को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

निर्माण कार्य में तकनीकी लापरवाही सामने आई

प्रारंभिक जांच में निर्माण कार्य में गंभीर तकनीकी लापरवाही सामने आई है। कलेक्टर द्वारा जारी नोटिस में उल्लेख किया गया है कि छत ढलाई से पहले न तो निर्माण कार्य का आवश्यक तकनीकी निरीक्षण किया गया और न ही सेंटरिंग, सरिए तथा उपयोग में लाई गई निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का समुचित परीक्षण कराया गया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व पत्रकार सुशील गौतम नहीं रहे

नवभारत उमरिया। पिपरिया निवासी सुशील गौतम भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व पत्रकार का शनिवार को हृदयाघात से निधन हो गया। आप उमरिया जिले में भाजपा के संघर्ष के दिनों अग्रिम पंक्ति के नेता रहे हैं। आपने वर्ष 1984-85 में पत्रकारिता भी की और क्षेत्र की समस्याओं को उजागर किया था। उनकी अंत्येष्टि गृह ग्राम पीपरिया में सम्पन्न हो गई। उनके निधन पर जनदुनिया परिवार के प्रमुख चीफ एडिटर संतोष गुप्ता, स्थानीय संपादक शिखर गुप्ता ने गहरा दुःख प्रकट करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

डायवर्सन मार्ग नहीं बनने से आवागमन में परेशानी

फ्लाईओवर बनाने वाले ठेकेदार की लापरवाही

नवभारत नौरोजाबाद 11 जुलाई। जिले के नौरोजाबाद रेलवे स्टेशन के पास देवग़वां समपार में फ्लाईओवर बनाने का कार्य संबंधित ठेकेदार के द्वारा लगभग 1 वर्ष से किया जा रहा है, लेकिन वाहनो के आवागमन के लिए डायवर्सन सड़क नहीं बनाई गई है, जिससे आवागमन करने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार ठेकेदार द्वारा लापरवाही के कारण बरसात के मौसम में सड़क के किनारे काली मिट्टी होने से जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। बारिश के मौसम में प्रतिदिन कोई न कोई वाहन फंस जाता है, जिस कारण जाम लगने की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

इस मार्ग पर दिन-रात वाहनों की आवाजाही रहती है

सबसे ज्यादा परेशानी रात में होती है। रात में निकलने वाले बड़े वाहन और छोटे वाहन सड़क स्थिति का आकलन नहीं कर पाते, जिससे जाम लगता है। नौरोजाबाद रेलवे स्टेशन से नौरोजाबाद कालरी होते हुए डिंडोरी तक जाने का यही एक मार्ग है, जिसके कारण इस मार्ग पर दिन रात वाहनों की आवाजाही लगी रहती है।

कभी हो सकती हैं बड़ी दुर्घटना

इसके अलावा नौरोजाबाद कालरी एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रो के लोग ट्रेन पकड़ने के लिए नौरोजाबाद स्टेशन जाते है कई यात्रियों की तो जाम में फंसने से ट्रेन भी छूट गईं। अगर समय रहते ठेकेदार द्वारा डायवर्सन सड़क का निर्माण नहीं कराया जाता तो कभी भी कोई घटना हो सकती है। इतना ही नहीं सड़क के किनारे ओवर ब्रिज निर्माण के लिए ठेकेदार द्वारा सड़क खोदक़र बड़े बड़े गड्ढे बना दिए गए है, जिससे कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

आरोप | पुल निर्माण कार्य में अनियमितता का आरोप

अधिकारी और ठेकेदार लगा रहे सरकारी योजना को पलीता

नवभारत नौरोजाबाद 11 जुलाई। एक तरफ मध्यप्रदेश की डबल इंजन की मोहन सरकार लोगों की मूलभूत सुविधाओं बिजली, पानी, सड़क, पुलनिर्माण आदि लिए युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है ताकि लोगो का जीवन स्तर ऊंचा उठ सके, लेकिन उच्च विभागों में बैठे अधिकारी ठेकेदारों के साथ मिलकर सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यों में भ्रष्टाचार का ग्रहण लगा रहे है।

ताजा मामला उमरिया जिले के नौरोजाबाद तहसील अंतर्गत ग्राम देवरी मजरा और महुरी के ग्रामीणों द्वारा दोनों गांवों के बीच मे स्थित घोड़छत्र नदी में पुल निर्माण को लेकर वर्षों से मांग की जा रही थी, ग्रामीणों की मांग के आधार पर लगभग दो वर्ष पूर्व घोड़छत्र नदी पर पुल निर्माण का कार्य मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा स्वीकृत कर दिया गया।

निर्माण स्थल में नहीं लगा है कोई बोर्ड

सूत्रों की माने तो लगभग एक वर्ष पूर्व से करोड़ों की लागत से बनने वाले पुल निर्माण का ठेका सेतुबंध विभाग द्वारा ठेकेदार के माध्यम से कराया जा रहा है। ग्रामीणों ने ठेकेदार पर आरोप लगाते हुए कहा कि न तो निर्माण स्थल में कोई बोर्ड लगा है, जिससे पता चल सके कि किस विभाग द्वारा पुल निर्माण का कार्य कराया जा रहा है, साथ ही आवागमन करने वाले लोगों के सुरक्षा के दृष्टिकोण से रेडियम इंडिकेशन भी नहीं लगाया गया है।

विद्यार्थियों में किया जा रहा नेतृत्व क्षमता का विकास

समनापुर में एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण आयोजित

डिंडौरी, नवभारत 11 जुलाई। बच्चों में जीवन कौशल का विकास करने के उद्देश्य से सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को समनापुर विकासखंड के एकीकृत शासकीय बालक माध्यमिक शाला, समनापुर में एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण का संचालन मास्टर ट्रेनर्स दीपभान राठौर, विजय भारती एवं शशि मरावी ने किया। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को कक्षा 8वीं के विद्यार्थियों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम, गतिविधियों तथा सत्र संचालन की व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गई।

कैरियर के संबध में दी गई जानकारी

कार्यक्रम में जिला प्रबंधक महारन प्रताप सिंह परमार एवं विकासखंड प्रबंधक नीरज तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के माध्यम से विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियों के जरिए विद्यार्थियों में संवाद कौशल, आत्म-प्रबंधन, रचनात्मकता, निर्णय क्षमता, समस्या समाधान, टीम वर्क एवं नेतृत्व क्षमता का विकास किया जा रहा है, ताकि वे अपने जीवन और भविष्य के कैरियर के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकें।

शिक्षकों व विद्यार्थियों में आत्मीय संबंध विकसित हो रहे

प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि कार्यक्रम के प्रभावी संचालन से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के बीच सकारात्मक और आत्मीय संबंध विकसित हो रहे हैं। विद्यार्थी अब बिना किसी झिझक के अपने विचार शिक्षकों एवं साथियों के सामने व्यक्त कर रहे हैं। प्रशिक्षण में समनापुर विकासखंड के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों, एकीकृत माध्यमिक विद्यालयों एवं सांदीपनी विद्यालयों से आए शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।